to decide 'when' and 'whether'. They should decide it, not the Chair. ...(*Interruptions*)... Chair cannot do anything more than this. ...(*Interruptions*)... It is for the Government. The Government has made its stand clear. ...(*Interruptions*)... That is over. Now, you please allow the Calling Attention to take place. ...(*Interruptions*)... It is on a very important subject. ...(*Interruptions*)... Mr. Maitreyan, what is your point? ...(*Interruptions*)...

श्री सतीश चंद्र मिश्रा: मान्यवर, पहले इस इश्यू को तय कीजिए ...(**व्यवधान**)...

RE. RELEASE OF UNETHICAL ARTICLE ON SRI LANKAN DEFENCE MINISTRY WEBSITE DENIGRATING TAMIL NADU CHIEF MINISTER AND INDIAN PRIME MINISTER

DR. V. MAITREYAN (Tamil Nadu): Sir, the official website of the Ministry of Defence and Urban Development of Lankan Government on 31st July has posted a very derogatory article written by a journalist. This article denigrates the Chief Minister of my State, whom we fondly call 'Amma', and the Prime Minister of the country, Mr. Narendra Modi. ...(*Interruptions*)... I urge the Government of India to respond. ...(*Interruptions*)... Apology by a junior Minister is not acceptable to us. Will the Government of India summon the High Commissioner of Sri Lanka and give him necessary instructions ...(*Interruptions*)... so that President Rajapakse apologises personally. ...(*Interruptions*)... What is the Government of India's official stand on this because it was the ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is okay. ...(*Interruptions*).. Now, we will take up the Calling Attention. ...(*Interruptions*)...

DR. V. MAITREYAN: The Indian Prime Minister and the Chief Minister of Tamil Nadu are involved, Sir. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Calling Attention. ...(*Interruptions*)... Shrimati Ambika Soni. ...(*Interruptions*)... What can I do? ...*(Interruption*s)...

DR. V. MAITREYAN: Sir, the Minister is here. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is up to the Government. I cannot ...*(Interruption*s)...

DR. V. MAITREYAN: She is willing, Sir. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: If she wants, I will allow. I will not ask. ...(*Interruptions*)...

विदेश मंत्री तथा प्रवासी भारतीय कार्य मंत्री (**श्रीमती सुषमा स्वराज**): उपसभापति जी, अभी मैत्रेयन जी ने जो विषय उठाया है, वह विषय वाकई बहुत गम्भीर है। मैं आपके माध्यम से सदन को

आश्वस्त करके कहना चाहती हूँ कि भारत इस तरह के एक्शन की कठोर निन्दा करता है। India strongly condemns this. हम निश्चित तौर से उनके हाई कमिश्नर को बुलाकर उनको इस बात से अवगत कराएँगे।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. That is over. Now, Calling Attention. ..(*Interruptions*)..

RE. QUESTION OF NOTICE OF PRIVILEGE REGARDING UPSC CSAT — Contd

विपक्ष के नेता (श्री गुलाम नबी आजाद): माननीय उपसभापति जी, पिछले कई हफ्तों से यह सिलसिला चल रहा है। ...(**व्यवधान**)...

† **قائد حزب اختلاف (جناب غلام نبی آزاد) :** مانّنے اپ سبھا پتی جی، پچھلے کئی ہفتوں سے یہ سلسلہ چل رہا ہے ...(مداخلت)...

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्यमंत्री, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के राज्यमंत्री, तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री प्रकाश जावडेकर) : तीन साल से। ...(**व्यवधान**)...

श्री गुलाम नबी आजाद : तीन साल से तो अलग बात है। अब हर चीज़ में आप कहेंगे कि दस साल से या तीन साल से, तब तो फिर कहीं नही पहुँचेंगे। फिर तो अगले पाँच साल तक आपको यही कहना पड़ेगा, दस साल की याद दिलानी पड़ेगी। इस सदन में सभी साथियों ने, मैं यह नहीं कहता कि उस तरफ के लोग हमारे साथी नहीं हैं, लेकिन इस तरफ के सभी लोगों ने, श्री शरद जी ने, प्रो. राम गोपाल यादव जी ने, सीपीआई ने, यानी कांग्रेस समेत जितने भी लोग हैं, सब लोगों ने यह मुद्दा कई दफा उठाया है कि आज पूरे देश में लाखों लड़के कहते हैं कि उनके जाने का कहीं रास्ता ही नहीं बना है कि कहां जाना है। तो हम इसको अचानक नहीं कर सकते हैं, कई स्टेट्स से तो कई कैटेगरीज़ में उनकी संख्या अब इतनी कम हो गई है कि यह आहिस्ता-आहिस्ता शून्य पर पहुँच जाएगी। इसका कोई समाधान कभी तो होना चाहिए। रोज हमें बताया जाता है कि एक हफ्ता, एक हफ्ता दो दिन, एक हफ्ता तीन दिन और तब से कई हफ्ते निकल गए, इसके लिए मैं यह चाहता हूँ कि ऑनरेबल चेयर आज इस संबंध में डायरेक्शन दे कि सरकार कल तक कोई समाधान लेकर इस सदन के सामने आए।

† **جناب غلام نبی آزاد :** تین سال سے تو الگ بات ہے۔ اب ہر چیز میں آپ کہیں گے کہ دس سال سے یا تین سال سے، تب تو پھر کہیں نہیں پہنچیں گے۔ پھر تو آگے پانچ سال تک آپ کو یہی کہنا پڑے گا، دس سال کی یاد دلانی پڑے گی۔ اس سدن میں سبھی ساتھیوں نے، میں یہ نہیں کہتا کہ اس طرف کے لوگ ہمارے

†Transliteration in Urdu Script.